

राहुल गांधी ने किया रक्षा का वादा



किसी भी देश की तरक्की के लिए, किसी भी समाज की खुशहाली के लिए चैन-अमन सबसे ज़रूरी है। पिछले चार बरसों में देश में जो नफ़रत का माहौल बना है, कहीं मज़हबी झगड़े, तो कहीं जातिगत खून-खराबा। इस ख़ौफ़ के माहौल में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने अवाम को यक़ीन दिलाया है कि वे उसकी रक्षा करेंगे। उन्होंने उन लोगों की रक्षा करने की भी बात कही, जो हमेशा उनके खिलाफ़ रहते हैं, उनके खिलाफ़ दुष्प्रचार करते हैं। सच, ऐसा राहुल गांधी ही कर सकते हैं। राहुल गांधी ही वो शख्सियत हैं, जो अपने दुश्मनों, अपने विरोधियों के बारे में भी हमेशा अच्छा ही सोचते हैं, अच्छा ही करते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित कांग्रेस के महाधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में डर का माहौल बना दिया है। प्रेस के लोग भी डरते हैं। जनता इंसफ़ के लिए अदालत में जाती है। पहली बार ऐसा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट के चार जज इंसफ़ के लिए जनता की तरफ़ दौड़े। ये आरएसएस का काम है। कांग्रेस पार्टी और आरएसएस में बहुत फ़र्क है। हम हिन्दुस्तान के इंस्टीट्यूशन की इज़्जत करते हैं, वो हिन्दुस्तान के इंस्टीट्यूशन को ख़त्म करना चाहते हैं। वो सिर्फ़ एक इंस्टीट्यूशन चाहते हैं, आरएसएस। और वो चाहते हैं कि हिन्दुस्तान के सब इंस्टीट्यूशन आरएसएस के नीचे काम करें। चाहे वो ज्यूडिशरी हो, चाहे वो पार्लियामेंट हो, पुलिस हो, कोई भी इंस्टीट्यूशन हो। ये सच्चाई की लड़ाई है। हम हमारे इंस्टीट्यूशन की रक्षा करेंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे।

मीडिया के दुष्प्रचार का ज़िक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रेस वाले हमारे बारे में, कांग्रेस पार्टी के बारे में भी खराब लिखते हैं, कभी-कभी ग़लत भी लिखते हैं। लेकिन मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ कि हम आपकी भी रक्षा करेंगे। आप जितना भी खराब हमारे बारे में लिखना चाहते हो, लिखो। मगर कांग्रेस पार्टी का ये हाथ आपकी रक्षा करेगा। जब आरएसएस आपको मारेगी, दबाएगी, काटेगी, ये हाथ आपकी रक्षा करेगा। हम लोग आपकी रक्षा करेंगे।

उन्होंने कहा कि ये दो विचारधाराओं की लड़ाई है। हमारी विचारधारा जीतेगी। ये गांधी जी का संगठन है। शेरों का संगठन है। हम किसी से नहीं डरेंगे। सच्चाई की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैं पंद्रह साल से राजनीति में हूँ। ये आसान नहीं है। झटके लगते हैं, ठोकर लगती है, चोट लगती है, दर्द भी होता है। इससे हम सीखते हैं। हमसे ग़लती होती है, तो हम उसे मान लेते हैं और कहते हैं कि फिर से ग़लती नहीं करेंगे, लेकिन आरएसएस और बीजेपी वाले ग़लती मानते नहीं हैं, किसी की सुनते भी नहीं हैं। पूरी दुनिया कह देगी कि ग़लती की, तो मोदी जी आंसू बहा देंगे, लेकिन ये नहीं मानेंगे कि ग़लती

की। मोदी सरकार की नीतियों की वजह से देश बर्बाद हो गया, लेकिन वो लोग ये नहीं मानते।

राहुल गांधी ने कहा कि आज देश में गुस्सा फैलाया जा रहा है। देश को बांटा जा रहा है। हिन्दुस्तान के एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से लड़ाया जा रहा है। हमारा काम जोड़ना का काम है। उन्होंने कांग्रेस के निशान का जिक्र करते हुए कहा कि ये जो हाथ का निशान है, यही एक निशान है जो हिन्दुस्तान को जोड़ने का काम कर सकता है। यही एक निशान है, जो इस देश को आगे ले जा सकता है। इस निशान की जो शक्ति है, वो आपके अंदर है। अगर देश को जोड़ने का काम करना है, तो हम सबको मिलकर, देश की जनता को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हम भविष्य की बात कर रहे हैं, बदलाव की बात कर रहे हैं। हमारी परम्पराओं में बदलाव किया जाता है, मगर बीते हुए वक्त को भूला नहीं जाता है। युवाओं की बात होती है, मगर मैं कहना चाहता हूँ कि अगर युवा कांग्रेस पार्टी को आगे ले जाएंगे, तो हमारे अनुभवी नेताओं के बिना कांग्रेस पार्टी आगे नहीं जा सकती। मेरा काम वरिष्ठ नेताओं और युवाओं को जोड़ने का काम है। एक नई दिशा दिखाने का काम है। इसके लिए संगठन में कई बदलाव करने होंगे। पार्टी के मेहनतकश कार्यकर्ताओं को आगे लाना होगा। नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच की दीवार को तोड़ना होगा। इस दीवार के अलग-अलग रूप हैं। एक रूप होता है कि पेशाब की तरह ऊपर से टिकट लेकर कोई व्यक्ति गिरता है। दूसरा रूप होता है, दस-पंद्रह साल कार्यकर्ता खून-पसीना बहाता है और फिर टिकट से पहले उसको कहा जाता है, भईया, तुम कार्यकर्ता हो, तुम्हारे पास पैसा नहीं है, तुम्हें टिकट नहीं मिलेगा। पर मैं कहता हूँ- नहीं-नहीं-, तुम कार्यकर्ता हो, तुम्हारे दिल में कांग्रेस की विचारधारा है, तुम्हें टिकट जरूर मिलेगा और गुजरात में हमने छोटा-सा उदाहरण दिया, बड़ा नहीं, छोटा-सा, कांग्रेस पार्टी ने कार्यकर्ताओं को टिकट दिया और नतीजा आपने देखा।

दूसरी दीवार और शायद ये और भी बड़ी दीवार है, मगर ये जो पहली दीवार है, उसे तोड़े बिना वो दूसरी दीवार नहीं तोड़ी जा सकती। वो दीवार है- हिन्दुस्तान के युवाओं और राजनीतिक सिस्टम के बीच की दीवार। युवाओं ने मोदी जी में विश्वास किया, लेकिन वे ठगे गए। नीरव मोदी, ललित मोदी और अमित शाह जी का पुत्र अमेरिका भाग गए।

उन्होंने कहा कि अगर इन दीवारों को तोड़ना है, तो इसके लिए आगे आना होगा। उन्होंने खाली स्टेज की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये स्टेज मैंने आपके लिए खाली किया है। अगर हिन्दुस्तान को बदलना है, तो हर जात, हर मजहब के लड़कों को, लड़कियों को समझना पड़ेगा कि आप ही बदल सकते हो और कोई नहीं बदल सकता। जो लोग हिन्दुस्तान के विज्ञान को समझते हैं, जिनके दिल में हिन्दुस्तान की आग जलती है, मैं उनसे इस स्टेज को भरूंगा। आपका हाथ पकड़ कर आपको यहां बिठाऊंगा। मैं सत्तर-अस्सी साल पहले वाली, महात्मा गांधी जी, जवाहरलाल नेहरू जी, सरदार पटेल जी, मौलाना आज़ाद जी, जगजीवन राम जी वाली कांग्रेस को देखना चाहता हूँ। जैसे उन दिनों कांग्रेस पार्टी हुआ करती थी, वैसी ही कांग्रेस पार्टी देखना चाहता हूँ। वरिष्ठ नेता हैं, आपकी जगह है, कांग्रेस पार्टी में युवा हैं, आपकी जगह है और कांग्रेस पार्टी के बाहर करोड़ों युवा हैं, आपकी भी जगह है।

हमें मिलकर काम करना है। दुनिया में आज दो विज्ञान दिखाई दे रहे हैं। एक अमेरिका का विज्ञान और दूसरा चीन का विज्ञान है। मैं चाहता हूँ कि दस साल के अंदर एक इंडिया का विज्ञान भी दिखाई दे जाए। पूरी दुनिया ये कहे कि ये तरीका सबसे अच्छा है। भाईचारे का, अहिंसा का, प्यार का। इसके लिए

युवाओं को रोज़गार देना होगा। हर ज़िले में कोई न कोई चीज़ है। उत्तर प्रदेश को लीजिए। कानपुर, मिर्ज़ापुर, मुरादाबाद, कोई भी ज़िला देख लीजिए। स्कूल की हिन्दुस्तान में कोई कमी नहीं है, इंटेलिजेंस की हिन्दुस्तान में कोई कमी नहीं है ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। कमी एक है, जिसके पास स्कूल है, जिसके पास ऊर्जा है, उसके पास बैंक लोन नहीं है, उसके पास टैक्नोलॉजी नहीं है। जो हमारा स्कूल का ढांचा है, हर ज़िले में, हम उसे बैंकों के पैसे से और टैक्नोलॉजी से जोड़ने का काम करेंगे।

दूसरी बात, किसान अनाज उगाता है, सब्जी उगाता है। उसका ज्यादा से ज्यादा उत्पाद खराब हो जाता है। उत्तर प्रदेश की सड़कों पर आलू दिखाई देते हैं। किसान उन्हें फेंक देते हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में फूड पार्कों का नेटवर्क फैलाएगी। हर ज़िले में किसान अपना अनाज, अपनी सब्जी, अपना फल सीधा फूड प्रोसेसिंग फ़ैक्ट्री में जाकर बेचेगा। उन्होंने किसानों को यकीन दिलाया कि हमारी सरकार आने पर हम आपकी रक्षा करेंगे, दिल से आपकी रक्षा करेंगे और जैसे हमने सत्तर हज़ार करोड़ रुपये का क़र्ज़ माफ़ किया था, वैसे ही ज़रूरत पड़ने पर आपकी मदद करेंगे। तीसरा सबसे बड़ा काम शिक्षा का है। आज व्यापक स्कैम पूरे देश में फैलाया जा रहा है। दिल्ली में युवा धरना दे रहे हैं। प्रश्न पत्र बिकता है। इसे खरीदकर परीक्षा देने वाले पूरे देश में फैल रहे हैं। शिक्षा पर सबका हक़ है। हमारी सरकार आने पर हम देश के कोने-कोने में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच के फ़र्क़ को बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष में क्या फ़र्क़ है, एक सबसे बड़ा फ़र्क़ है- वो क्रोध और गुस्से का प्रयोग करते हैं, हम प्यार प्रयोग करते हैं। हम भाईचारे का प्रयोग करते हैं और चाहे कुछ भी हो जाए, मैं फिर से दोहराना चाहता हूँ कि ये देश हम सबका है, हर धर्म का है, हर जात का है। हर व्यक्ति का है और जो भी पार्टी करेगी, वो पूरे देश के लिए करेगी, देश के हर व्यक्ति के लिए करेगी और किसी को पीछे नहीं छोड़ेगी।

गुजरात चुनाव के दौरान राहुल गांधी के मंदिर जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने उन पर खूब तंज़ किए थे। इस बारे में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात का चुनाव हुआ और वहां काफ़ी लोगों ने कहा कि मैं मंदिर जाता हूँ। अजीब-सी बात है, क्योंकि मैं सालों से गुजरात चुनाव के बहुत पहले से, अपने दौरों पर मंदिर जाता हूँ और मैं सिर्फ़ मंदिर में नहीं जाता हूँ, मैं मस्जिद में, गुरुद्वारे में, चर्च में भी जाता हूँ। मुझे जब भी कोई बुलाता है, मैं जाता हूँ। उन्होंने दो मंदिरों का जिक्र करते हुए कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच के फ़र्क़ को बताया।

उन्होंने कहा कि मैं आपको दो मंदिरों की कहानी बताता हूँ। अपने दौरों पर दो अलग-अलग मंदिरों के पुजारी मिले, जिसमें एक कांग्रेस समर्थक थे और दूसरे भारतीय जनता पार्टी से थे। पहले मंदिर गया, शिव का मंदिर था, पूजा हो रही थी, पंडित जी बैठे थे। पूजा खत्म हुई, अलग-अलग चीज़ें थीं। सवाल पूछने की आदत है, तो मैंने पंडित जी से पूछा, गुरुजी आप मुझे बताइए आपने किया क्या? आपने दूध डाला, पानी डाला, मंत्र पढ़े, आपने क्या किया? उन्होंने कहा कि बेटा समझना चाहता हूँ, तो इन सिक्योरिटी वालों को परे कर। सिक्योरिटी वालों को परे किया। उन्होंने कहा कि अच्छा इधर आ, पीछे खड़ा हो जा। मंदिर के पीछे दीवार पर माथा लगा। फिर उन्होंने कहा, तू भगवान ढूँढ रहा है न, तो तुझे भगवान कहीं भी मिल जाएगा। जहां तू देखेगा, वहीं मिल जाएगा। मंदिर में ढूँढ रहा है, तो मंदिर में मिलेगा, चर्च में मिलेगा, गुरुद्वारे में मिलेगा, पेड़-पौधों में मिलेगा, आसमान की शून्यता में मिलेगा, जहां

तू देखेगा, तुझे भगवान दिखेगा। ये जो हमने किया, ये हम करते हैं, ये हमें करने दे। अगर तू भगवान ढूँढ रहा है, तो जहाँ भी तू देखेगा, तुझे भगवान दिखेगा। इसके बाद बिल्कुल वही हालात, वैसा ही शिव मंदिर, वही पूजा वही सवाल। मगर पंडित जी ने सवाल का जवाब देने से मना कर दिया, लेकिन मैं अड़ गया। हम बाहर आ चुके थे। पंडित जी ने कहा कि मैंने तेरे लिए पूजा कर दी है। अब तुम प्रधानमंत्री बनने जा रहे हो, वो छत देख रहे हो। ऐसा करना जब तुम प्रधानमंत्री बन जाओ, तो इस पर सोना लगा देना। मतलब एक व्यक्ति सच्चाई कहता है। हमारा भगवान मंदिर में है, मस्जिद में है, चर्च में है, गुरुद्वारे में है, सब जगह है। हम तो पहले पुजारी की तरह सच के सिपाही हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी की राजनीति में बीजेपी का जो धर्म है, वो सिर्फ सत्ता को पाने के लिए है। लेकिन हम जनता के लिए लड़ते हैं। हमारे लोगों ने देश के लिए अपना खून दिया है। हम नफ़रत नहीं करते, हम गुस्सा नहीं करते। आप हमें मारे-पीटो, हम आपसे नफ़रत नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि आज देश मुश्किल में है। किसान कहते हैं कि हम जी नहीं सकते। खेती से आमदनी नहीं होती, आत्महत्या करनी पड़ती है। दूसरी तरफ़ करोड़ों युवा बेरोज़गार हैं, उन्हें रास्ता नहीं दिख रहा है। समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें। चार साल पहले इन लोगों ने मोदी जी पर भरोसा किया था, जो अब टूट चुका है। खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों युवा, जो आज थके हुए हैं, जब वे मोदी जी की तरफ़ देखते हैं, तो उन्हें रास्ता दिखाई नहीं देता। उन्हें ये बात समझ नहीं आती कि उन्हें रोज़गार कहाँ से मिलेगा ? किसानों को उनकी फ़सल का सही दाम कब मिलेगा ? देश एक तरह से थका हुआ है, रास्ता ढूँढ रहा है और मैं दिल से कहता हूँ कि देश को सिर्फ़ कांग्रेस पार्टी ही रास्ता दिखा सकती है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर काम करें, तो कांग्रेस फिर से जीत सकती है।

गौरतलब है कि 16 से 18 मार्च को आयोजित कांग्रेस के 84वें महाधिवेशन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मोती लाल वोरा, गुलाम नबी आज़ाद, मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों, अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेट्स, एआईसीसी सदस्यों, पीसीसी सदस्यों और देश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं ने शिरकत की और अपने विचार रखे।

(लेखिका स्टार न्यूज़ एजेंसी में संपादक हैं)